

CLASS 12 • HINDI • KAVYA KHAND

पतंग

पाठ 2 • आलोक धन्वा

पाठ के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. 'सबसे तेज़ बाँछारें गई, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।

उत्तर: प्रकृति में परिवर्तन निरंतर होता रहता है। तेज़ बाँछारों अर्थात् वर्षा का मौसम समाप्त होने पर भादो की अँधेरी रातें भी बीत गई हैं। इसके बाद आश्विन का महीना शुरू होता है। इस मौसम में निम्नलिखित परिवर्तन दिखाई देते हैं:

- खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा होने लगता है।
- पुलों को पार करता हुआ शरद आ जाता है।
- शरद का आगमन नई चमकीली साइकिल तेज़ चलाने, ज़ोर-ज़ोर से घंटी बजाने और चमकीले इशारों से बच्चों को बुलाने के रूप में चित्रित किया गया है। पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड के बाहर निकलने का मौसम आ गया है।

प्रश्न 2. पतंग के लिए 'सबसे हल्की और रंगीन चीज़', 'सबसे पतला कागज़' तथा 'सबसे पतली कमान' जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया गया है?

उत्तर: कवि ने पतंग की कोमलता, हल्केपन और रंगीन सुंदरता को उभारने के लिए इन विशेषणों का प्रयोग किया है। पतंग रंगीन कागज़ से बनती है और इंद्रधनुष की तरह अनेक रंगों वाली होती है। उसका कागज़ बहुत पतला होता है, जो हल्का झटका लगने पर भी फट सकता है। उसका ढाँचा बाँस की पतली कमान से बनता है।

इन विशेषणों के माध्यम से कवि बालसुलभ चेष्टाओं का चित्रण करता है। पतंग भी बच्चों के मन की तरह कल्पनाशील, कोमल और हल्की है।

प्रश्न 3. 'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास' - कपास से बच्चों का क्या संबंध बन सकता है?

उत्तर: कपास और बच्चों के बीच कोमलता का संबंध है। पतंगों में कई संभावनाएँ छिपी होती हैं; इसी प्रकार बच्चों के सपने और आशाएँ भी कोमल होते हैं। कपास से बने सूत की तरह बच्चों का मन निर्मल और मुलायम होता है। कपास के रेशों की तरह उनकी भावनाएँ नाजुक होती हैं। इस प्रकार कपास बच्चों की कोमल भावनाओं और उनके कल्पनाशील मन का प्रतीक है।

प्रश्न 4. 'पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं' - बच्चों का उड़ान से कैसा संबंध बनता है?

उत्तर: जिस प्रकार पतंगें ऊपर और ऊपर उठती जाती हैं, उसी प्रकार बच्चों की आशाएँ भी बढ़ती जाती हैं। पतंगों के साथ-साथ उनकी भावनाएँ भी उड़ती हैं। उनके मन में नई-नई इच्छाएँ और उमंगें जागती हैं। वे भी आकाश की अनंत ऊँचाइयों तक पहुँचकर अपनी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं। यहाँ बच्चों का उड़ना उनकी कल्पना और उत्साह की उड़ान है।

पंक्तियों पर आधारित प्रश्न

छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं।

प्रश्न 5. 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने' का क्या तात्पर्य है?

उत्तर: इसका तात्पर्य बच्चों की दौड़-भाग, शोर और किलकारियों से है। जब बच्चे पतंग उड़ाते हैं, तो वे छतों पर दूर-दूर तक दौड़ते हुए शोर मचाते हैं। उनकी आवाज़ें सभी दिशाओं में गूँजती हैं, मानो दिशाएँ मृदंग की तरह बज रही हों।

प्रश्न 6. जब पतंग सामने हो, तो छतों पर दौड़ते हुए क्या आपको छत कठोर लगती है?

उत्तर: जब पतंग सामने होती है, तो उत्साह में छतों पर दौड़ते हुए उसकी कठोरता का आभास नहीं होता। उस समय शरीर में किसी प्रकार का कष्ट हो, तो भी खेल में मग्न होने के कारण हम उसे भूल जाते हैं।

प्रश्न 7. खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं?

उत्तर: परिस्थितियाँ मनुष्य को बहुत कुछ सिखाती हैं। सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों और खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आत्मविश्वास बढ़ता है तथा मन का डर निकल जाता है। तब जीवन में आने वाली छोटी-छोटी चुनौतियाँ अपेक्षाकृत सहज लगती हैं और हम उनका सामना करने के लिए स्वयं को अधिक सक्षम महसूस करते हैं।